उत्पादन में कमी से बढ़ी चीनी शेयरों की मिठास

– द्वारादी□क कोरगांवकर

(बिज़नेस स्टैंडर्ड; नई दिल्ली: मार्च 19, 2025)

तीन प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश- में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका के कारण मंगलवार के कारोबारी सत्र में बीएसई □र चीनी कं□नियों के शेयरों में 20 फीसदी तक की उछाल आई। एक न्यू□ ए□ेंसी की रि□ोर्ट के मुताबिक भारत का चीनी उत्पादन □स सी□न में अभी तक 16.13 फीसदी घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया ह।

□स बीच, नशनल फेडरेशन ऑफ कोऑ□रेटिव शुगर फ□क्टरी□ (एनएफसीएसएफ) ने अनुमान लगाया ह□कि 2024-25 के चालू सी□न में देश का कुल चीनी उत्पादन □िछले सी□न के 3.19 करोड़ टन से कम होकर 2.59 करोड़ टन रह सकता ह। यह एक अन्य उद्योग संस्था – □ंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (□स्मा) के □ारी आंकड़ों से अलग ह□□सका सी□न के लिए □हला अनुमान 2.722 करोड़ टन था।

एनएफसीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन चालू सी□न में 15 मार्च तक घटकर 78.6 लाख टन रह गया, □बकि एक साल □हले यह 1.00 करोड़ टन था। उत्तम शुगर मिल्स के शेयर बीएसई □र 20 प्रतिशत ऊ□री सर्किट के साथ 230.75 रु□ये □र बंद हुए। □सकी व□ह □ंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च का वहअनुमान रहा □िसमें कहा गया था कि कं□नी एबिटा वित्त वर्ष 26 में ठीक होने की संभावना ह□और □से चीनी और एथेनॉल की बिक्री में □□ाफे, चीनी की कीमतों में ते□ी के साथ-साथ □रिचालन दक्षता में सुधार के लिए □ूं□ीगत खर्च से मदद मिलेगी।

रेटिंग ए□ेंसी ने एक नोट में कहा, वित्त वर्ष 2025 के □हले नौ महीने में एथेनॉल की बिक्री 4.55 करोड़ लीटर (वित्त वर्ष 2024 की समान अवधि में 4.68 करोड़ लीटर) □र स्थिर रही। एथेनॉल आ□ूर्ति वर्ष 2025 के □हले दो चक्रों में आवंटन काफी अधिक ह□□ो सरकार द्वारा चीनी को एथेनॉल में बदलने □र लगे प्रतिबंध हटाने के बाद फिर से सुधार का संकेत देता ह।

हालांकि कम रिकवरी की व□ह से वित्त वर्ष 25 में उत्पादन में कमी आ सकती ह□लेकिन □ंडिया रेटिंग्स को उम्मीद ह□कि कम चीनी बिक्री को देखते हुए शुद्ध कार्यशील □ूं□ी □र असर होगा। □सके साथ ही कम एबिटा की व□ह से वित्त वर्ष 25 में शुद्ध लेवरे□ में वृद्धि हो सकती ह। □न्वेंट्री में धीरे-धीरे कमी और एबिटा में रिकवरी के साथ वित्त वर्ष 26 में शुद्ध लेवरे□ में सुधार की संभावना ह।

व□क्तिक शेयरों की बात करें तो कारोबारी सत्र के दौरान मगध शुगर ऐंड एन□ी 14 फीसदी बढ़कर 585 रु□ये के उच्चतम स्तर □र □हुंच गया। □सके बाद अवध शुगर ऐंड एन□ी (10 फीसदी बढ़कर 429.5 रु□ये), डालमिया भारत शुगर ऐंड □ंडस्ट्री□ (9 फीसदी बढ़कर 344.50 रु□ये), मवाना शुगर्स (7 फीसदी बढ़कर 89.2 रु□ये), द्वारिकेश शुगर □ंडस्ट्री□ (7 फीसदी बढ़कर 39.2 रु□ये), श्री रेणुका शुगर्स (5 फीसदी बढ़कर 28.6 रु□ये), त्रिवेणी □ीनियरिंग (5 फीसदी बढ़कर 386.3 रु□ये) और बलराम□ुर चीनी मिल्स (6.7 फीसदी बढ़कर 509.6 रु□ये) का स्थान रहा।

□सकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स का कारोबारी सत्र के दौरान उच्चतम स्तर 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ 75,385 रहा। चीनी की धीमी रिकवरी को देखते हुए चीनी सी□न 2025 में भारत का चीनी

उत्पादन □िछले अनुमान के साथ-साथ सालाना उत्पादन के मुकाबले कम रहने की संभावना ह□ उच्च स्थिर लागत की भर□ाई के लिए चीनी मिलें कीमतें बढ़ा रही हैं। मार्च तिमाही में अब तक प्रमुख राज्यों में चीनी की कीमतें तिमाही आधार □र 7 से 9 फीसदी बढ़ी हैं। लिहा□ा, □एम फा□नैंशियल □ंस्टिट्यूशनल सिक्योरिटी□ के विश्लेषकों का मानना ह□कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में चीनी खंड में लाभप्रदता म□बूत रहने की संभावना ह□ ब्रोकरे□ के विश्लेषकों के अनुसार ये चीनी मिलें □न ऊंचे स्तरों □र डिस्टिलरी डिवि□न को एथेनॉल स्थानांतरित करेंगी।